लूबर गुलिक के मतानुसार, "प्रशासन का सम्बन्ध उद्देश्य की प्राप्ति हेतु कार्यों को संपादित करने नीग्रो के अनुसार, "प्रशासन लक्ष्य की प्राप्ति के लिये मनुष्य तथा सामग्री का संगठन एवं प्रयोग है।"2 हार्वे वॉकर के शब्दों में, "सरकार कानून को लागू करने के लिये जो कार्य करती है, वह प्रशासन कहलाता है। डॉ. डाइट के अनुसार, "प्रशासन किसी निश्चित लक्ष्य या उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों के

निर्देशन, नियन्त्रण तथा समन्वीकरण की कला है। 4

पिफनर के शब्दों में-"प्रशासन वांछित लक्ष्यों को हासिल करने के लिये किया जाने वाला मानव और

भौतिक संसाधनों का संगठन और निर्देशन है।" •एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका के अनुसार, "प्रशासन का अर्थ किसी भी कार्य को करने अथवा कार्यों का प्रबन्ध करने से लिया जाता है। कानून में यह शब्द विशेषकर किसी मृतक व्यक्ति की सम्पत्ति के सम्बन्ध में है। अधिकतर इसका अर्थ सरकार और विशेषकर कार्यपालिका एवं उससे सम्बन्धित शासन से होता है। " प्रो. विलोबी ने प्रशासन के अर्थ को व्यापक रूप से समझाते हुए लिखा है कि, “राजनीतिशास्त्र में प्रशासन

शब्द को दो अर्थों में प्रयुक्त किया जाता है। अपने विस्तृत रूप में यह किसी सरकार के विशेष विभाग से सम्बन्ि हुए बिना सरकार के वास्तविक कार्यों का बोध कराता है। यह कथन उपयुक्त होगा कि सरकार के कार्यकारिण विभाग के प्रशासन, न्याय व न्यायिक कार्यों के प्रशासन अथवा कार्यकारिणी शक्ति के प्रशासन का, यहाँ तक सरकार के प्रशासकीय कार्यों के विभागों का अथवा साधारणतया सरकार के सभी कार्यों का अध्ययन करता है। अपने संकुचित अर्थों में यह केवल सरकार के प्रशासकीय विभाग से ही सम्बन्धित रहता है। 6

मार्शल डिमॉक के शब्दों में, "प्रशासन का सम्बन्ध सरकार के 'क्या' और 'कैसे' से है। 'क्या' का अर्थ विषय-वस्तु से है अर्थात् एक क्षेत्र का तकनीकी ज्ञान जो कि प्रशासकों को उनका कार्य करने की सामर्थ्य प्रदान करता है। 'कैसे' प्रबन्ध की तकनीक है अर्थात् वे सिद्धान्त जिनके अनुसार सरकारी योजनाएँ सफल बनाई जाती हैं। दोनों ही अपरिहार्य हैं और दोनों मिलकर प्रशासन की स्थापना करते हैं। "7 उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि प्रशासन किसी विशिष्ट उद्देश्य की पूर्ति हेतु संगठित

होकर सहयोग की भावना से किया जाने वाला कार्य है। प्रशासन करने वाले व्यक्ति के पास प्राधिकार (Authority)

का होना भी आवश्यक है। प्रशासन का प्रयोग विशाल एवं औपचारिक संगठनों के लिये ही किया जाता है।